



**Deccan Education Society's**  
**FERGUSSON COLLEGE (AUTONOMOUS),**  
**PUNE**

**Syllabus under NEP**

**for**

**M.A. Marathi (मराठी)**

**From Academic Year 2023-24**

**Revised for year 2025-26**

**M.A. Marathi**  
**Course Structure**

| Semester  | Paper Code                    | Paper Title                                                                                                             | Credits   |
|-----------|-------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| <b>I</b>  | MRT501                        | तौलनिक साहित्य                                                                                                          | 4         |
|           | MRT502                        | मध्ययुगीन मराठी साहित्याची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी : प्राचीन गीतमंजुषा (संपा. ना. ग. जोशी)                               | 4         |
|           | MRT503                        | भाषाविज्ञान – वर्णनात्मक                                                                                                | 4         |
|           | MRT504<br><b>OR</b><br>MRT505 | ग्रामीण आणि दलित साहित्य<br>लोकप्रिय साहित्य -वपुकाळे, सुहास शिरवळकर इ.                                                 | 4         |
|           | MRT510                        | मराठी साहित्य संशोधनपद्धती                                                                                              | 4         |
|           | <b>Total Semester Credits</b> |                                                                                                                         | <b>20</b> |
| <b>II</b> | MRT551                        | संस्कृती अभ्यास                                                                                                         | 4         |
|           | MRT552                        | अर्वाचीन मराठी साहित्याची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी ;<br>धार आणि काठ (नरहर कुरुंदकर),<br>साहित्याचे मानदंड (गंगाधर गाडगीळ) | 4         |
|           | MRT553                        | भाषाविज्ञान – सामाजिक                                                                                                   | 4         |
|           | MRT554<br><b>OR</b><br>MRT555 | लोकसाहित्य<br>बालसाहित्य - राजीव तांबे, भारत सासणे,<br>विंदा करंदीकर इ.                                                 | 4         |
|           | MRT560                        | आंतरवासिता / व्यावसायिक अनुभवग्रहण                                                                                      | 4         |
|           | <b>Total Semester Credits</b> |                                                                                                                         | <b>20</b> |
|           | <b>Total PG-I Credits</b>     |                                                                                                                         | <b>40</b> |

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र १                                                     |                                                                                                                           |                                                    |
|-------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------|
| MRT501                                                                              | तौलनिक साहित्य                                                                                                            | Number of Credits: 4                               |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                                                                           | Cognitive level (Bloom's Level) (Level1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                 | तुलना, साहित्य, विश्वसाहित्य आणि राष्ट्रीय / भारतीय साहित्य या संकल्पना समजून घेणे. तुलनेच्या विविध व्याख्या लक्षात घेणे. | 1                                                  |
| CO2                                                                                 | दोन परस्परभिन्न वस्तुंची, विचारांची, साहित्याची तुलना करता येणे. तुलनेची विविध उदाहरणे सांगता येणे.                       | 2                                                  |
| CO3                                                                                 | विश्वसाहित्य आणि राष्ट्रीय / भारतीय साहित्य या संकल्पनांचे सोदाहरण स्पष्टीकरण करता येणे.                                  | 3                                                  |
| CO4                                                                                 | आदानप्रदान, प्रभाव, प्रभव या संकल्पनांच्या आधारे साहित्याचे वर्गीकरण आणि विश्लेषण करता येणे.                              | 4                                                  |
| CO5                                                                                 | नेमलेल्या साहित्यकृतींचे तौलनिक साहित्याच्या तत्वांच्या आधारे मूल्यमापन करता येणे.                                        | 5                                                  |
| CO6                                                                                 | जगातील कोणतेही साहित्य तौलनिक साहित्याच्या आधारे सूत्रबद्ध करता येणे.                                                     | 6                                                  |

| घटक | तपशील                                                                                                                           | तासिका |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| १   | तुलना म्हणजे काय? तुलनेच्या विविध व्याख्या तौलनिक साहित्य, विश्वसाहित्य आणि राष्ट्रीय/ भारतीय साहित्य या संकल्पना               | १५     |
| २   | आदानप्रदान, प्रभाव आणि प्रभव या संकल्पनांचा अभ्यास विविध साहित्यकृतींची उदाहरणे – आवरण, सिंधुतील साम्राज्ये, संस्कृतसाठी संघर्ष | १५     |
| ३.  | भारतीय व्यवहार कोश, भारतीय कहावत संग्रह यांचा अभ्यास                                                                            | १५     |
| ४.  | भारताच्या विविध प्रांतातील भारतीय साहित्याचा अभ्यास कन्नड साहित्य, बंगाली साहित्य इत्यादी                                       | १५     |

### संदर्भग्रंथ –

१. तौलनिक साहित्य, निशिकांत मिरजकर, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे
२. तौलनिक साहित्य, वसंत बापट, मौज प्रकाशन, मुंबई
३. तौलनिक साहित्य संपा. चंद्रशेखर जहागीरदार, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे
४. मध्ययुगीन मराठी साहित्य आणि तौलनिक अभ्यास, र.बा.मंचरकर, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे
५. भारतीय साहित्याची संकल्पना, चंद्रकांत बांदिवडेकर गौरवग्रंथ, संपा. पद्मजा घोरपडे, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे
६. कन्नड साहित्याचा इतिहास, साहित्य अकादमी, नवी दिल्ली
७. बंगाली साहित्याचा इतिहास, साहित्य अकादमी, नवी दिल्ली
८. मराठी विश्वकोश, खंड १ ते १८, महाराष्ट्र राज्य विश्वकोश निर्मिती मंडळ, महाराष्ट्र शासन

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र १                                                     |                                                                                                                              |                                                          |
|-------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|
| MRT502                                                                              | मध्ययुगीन मराठी साहित्याची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी                                                                            | Number of Credits:4                                      |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                                                                              | Cognitive level<br>(Bloom's Level)<br>(Level1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                 | मराठी भाषेच्या आरंभाचा शोध घेणे. त्यासाठी शिलालेख, ताम्रपट, अन्यभाषांमधील साहित्याचा अभ्यास करणे.                            | 1                                                        |
| CO2                                                                                 | मध्ययुगात निर्माण झालेल्या विविध धर्मसंप्रदायांची ओळख करून घेणे, त्यांच्यातील साम्यभेद निरखणे.                               | 2, 3                                                     |
| CO3                                                                                 | प्राचीन गीतमंजुषा या संकलनाच्या आधारे विविध प्रकारच्या काव्याचा सखोल अभ्यास करणे.                                            | 2, 3                                                     |
| CO4                                                                                 | प्राचीन गीतमंजुषा या संकलनाच्या आधारे विविध प्रकारच्या काव्याची वैशिष्ट्ये स्पष्ट करणे.                                      | 4                                                        |
| CO5                                                                                 | संत पंत आणि तंत साहित्याची वैशिष्ट्ये सूत्रबद्ध करता येणे.                                                                   | 5                                                        |
| CO6                                                                                 | यादवकालीन, बहामनीकालीन, शिवकालीन, पेशवेकालीन, सामाजिक-राजकीय पर्यावरणाच्या आधारे मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय सूत्रबद्ध करता येणे. | 6                                                        |

| घटक | तपशील                                                                 | तासिका |
|-----|-----------------------------------------------------------------------|--------|
| १   | संस्कृती म्हणजे काय?<br>साहित्याची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी ही संकल्पना | १५     |
| २   | मराठी भाषेचा प्रारंभ, शिलालेख, ताम्रपट यांचा अभ्यास                   | १५     |
| ३.  | प्राचीन गीतमंजुषा या संकलनाचा अभ्यास – यादवकाळ, बहामनी काळ            | १५     |
| ४.  | प्राचीन गीतमंजुषा या संकलनाचा अभ्यास – शिवकाळ, पेशवेकाळ               | १५     |

संदर्भग्रंथ :

१. प्राचीन गीतमंजुषा, संपा. ना.ग. जोशी, मौज प्रकाशन, मुंबई
२. प्राचीन मराठी कोरीव लेख, शं.गो.तुळपुळे,
३. संतसाहित्याची सामाजिक फलश्रुती, गं. बा. सरदार
४. महाराष्ट्र संस्कृती, पु. ग. सहस्त्रबुद्धे
५. महाराष्ट्रीय जीवन, ग. बां. सरदार
६. मराठी लोकांची संस्कृती, इरावती कर्वे
७. संशोधन शलाका, सुरेश डोळके
८. पेशवेकालीन महाराष्ट्र, वा. कृ. भावे
९. यादवकालीन महाराष्ट्र, मु. गं. पानसे
१०. मराठी रियासत, गो. स. सरदेसाई

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र १                                                     |                                                                                                                 |                                                          |
|-------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|
| MRT503                                                                              | भाषाविज्ञान- वर्णनात्मक                                                                                         | Number of Credits: 4                                     |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                                                                 | Cognitive level<br>(Bloom's Level)<br>(Level1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                 | भाषेचे स्वरूप व कार्य विविध व्याख्यांच्या आधारे सांगणे.                                                         | 1                                                        |
| CO2                                                                                 | अमूर्त भाषा तत्त्व आणि मूर्त-भाषाव्यवहार यांची रचना जाणू न घेणे. भाषा आणि भाषण यांतील फरक तुलनेतून स्पष्ट करणे. | 2                                                        |
| CO3                                                                                 | भाषाविज्ञानाच्या विविध शाखांमधील फरक स्पष्ट करणे. व्यवहारभाषा, शास्त्रभाषा व साहित्याची भाषा यांची तुलना करणे.  | 3                                                        |
| CO4                                                                                 | उच्चारण स्थानानुसार भाषाध्वनींचे वर्गीकरण व त्यांची व्यवस्था लावणे, भाषाध्वनींचे, वर्गीकरण सूत्रात बांधणे.      | 4                                                        |
| CO5                                                                                 | रूपिम आणि वाक्यरचनेतील भाषेची वैशिष्ट्ये सूत्रबद्ध करणे.                                                        | 5                                                        |
| CO6                                                                                 | भाषेची संरचना व तिचे घटक यांचे विश्लेषण करून ते सूत्रबद्ध करणे.                                                 | 6                                                        |

| घटक | तपशील                                     | तासिका |
|-----|-------------------------------------------|--------|
| १   | भाषा म्हणजे काय?<br>भाषेचे स्वरूप व कार्य | १५     |
| २   | स्वनविज्ञान आणि स्वनिमविचार               | १५     |
| ३.  | रूपिमविचार आणि वाक्यविचार                 | १५     |
| ४.  | अर्थविचार                                 | १५     |

#### संदर्भग्रंथ -

- |                                               |                               |
|-----------------------------------------------|-------------------------------|
| १. ध्वनिविचार                                 | डॉ. ना. गो कालेलकर            |
| २. भाषा : इतिहास आणि भूगोल                    | डॉ. ना. गो कालेलकर            |
| ३. भाषा आणि संस्कृती                          | डॉ. ना. गो कालेलकर            |
| ४. मराठीचा भाषिक अभ्यास                       | डॉ. मु. श्री. कानडे           |
| ५. भाषाविज्ञान वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक        | संपा. स. ग. मालशे             |
| ६. वर्णनात्मक भाषाविज्ञान : स्वरूप आणि पद्धती | संपा. कल्याण काळे, अंजली सोमण |

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र १                                                     |                                                                                                                       |                                                          |
|-------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|
| MRT504                                                                              | ग्रामीण आणि दलित साहित्य                                                                                              | Number of Credits:4                                      |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                                                                       | Cognitive level<br>(Bloom's Level)<br>(Level1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                 | भारतीय खेडे आणि ग्रामीण साहित्य आणि भारतीय समाजजीवन आणि दलित साहित्य यांच्या <b>नात्याचा शोध घेणे.</b>                | 1                                                        |
| CO2                                                                                 | लोकजीवनातील शेती, शेतकरी चळवळ आणि ग्रामीण साहित्य यांचा तर दलित चळवळ आणि दलित साहित्य यांचा <b>अनुबंध पाहणे.</b>      | 2, 3                                                     |
| CO3                                                                                 | मराठीतील ग्रामीण आणि दलित साहित्याची <b>परंपरा अभ्यासणे.</b>                                                          | 2, 3                                                     |
| CO4                                                                                 | ग्रामीण आणि दलित साहित्याचे <b>वर्गीकरण आणि विश्लेषण करणे.</b> त्यांचे आशय-आविष्काराच्या आधारे <b>मूल्यमापन करणे.</b> | 4                                                        |
| CO5                                                                                 | मराठीतील निवडक ग्रामीण आणि दलित साहित्याचे <b>मूल्यमापन करता येणे, त्यांची बलस्थाने सांगता येणे.</b>                  | 5                                                        |
| CO6                                                                                 | मराठीतील ग्रामीण आणि दलित साहित्य विषयवैविध्यांच्या आधारे <b>सूत्रबद्ध करता येणे.</b>                                 | 6                                                        |

| घटक | तपशील                                                                                                                                                      | तासिका |
|-----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| १   | भारतीय समाज आणि त्याचे विविध स्तर<br>गावगाडा या पुस्तकाचा अभ्यास                                                                                           | १५     |
| २   | शेतकरी आणि ग्रामीण चळवळ (गावाकडे चला – महात्मा गांधी)<br>शहरीकरण आणि दलित चळवळ (शहराकडे चला – डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर)<br>ग्रामीण आणि दलित साहित्याची परंपरा | १५     |
| ३.  | ‘पाचोळा - रा. रं. बोराडे’ या कादंबरीचा अभ्यास                                                                                                              | १५     |
| ४.  | ‘माझ्या जल्माची चित्तरकथा – शांताबाई कांबळे’ - या आत्मकथनाचा अभ्यास                                                                                        | १५     |

#### संदर्भग्रंथ -

- गावगाडा, त्र्यंबक नारायण अत्रे, वरदा प्रकाशन, पुणे
- ग्रामीण साहित्य : प्रेरणा आणि प्रयोजन श्रीराम गुंदेकर
- ग्रामीण साहित्य रा. रं. बोराडे
- ग्रामीण साहित्य स्वरूप आणि समस्या आनंद यादव
- ग्रामीण साहित्य एक चिंतन द. ता. भोसले
- ग्रामीण कथा वासुदेव मुलाटे
- ग्रामीण कविता कैलास सार्वेकर
- माती आणि मंथन भास्कर चंदनशिव
- भूमी आणि भूमिका भास्कर चंदनशिव
- ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि शोध डॉ. नागनाथ कोतापल्ले
- दलित साहित्य : वेदना, विद्रोह आणि नकार, भालचंद्र फडके
- निळी पहाट, रा.ग.जाधव

| M.A. MARATHI : प्रथम वर्ष : सत्र १                                                  |                                                                                        |                                    |
|-------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------|
| MRT505                                                                              | लोकप्रिय साहित्य                                                                       | Number of Credits:4                |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                                        | Cognitive Level<br>(Bloom's Level) |
| CO1                                                                                 | लोकप्रिय साहित्याच्या स्वरूपाचा परिचय करून देणे.                                       | 1                                  |
| CO2                                                                                 | लोकप्रिय साहित्याची परंपरा अभ्यासणे.                                                   | 2                                  |
| CO3                                                                                 | लोकप्रिय साहित्यातील कथा आणि कादंबरी वाङ्मयाचा अभ्यास करणे.                            | 3                                  |
| CO4                                                                                 | व.पु.काळे, बाबुराव अर्नाळकर, सुहास शिरवळकर, ज्योत्स्ना देवधर यांच्या निवडक साहित्यकृती | 4                                  |
| CO5                                                                                 | लोकप्रिय साहित्याच्या वैशिष्ट्यांचा परामर्श घेणे.                                      | 5                                  |
| CO6                                                                                 | लोकप्रिय साहित्याच्या आविष्काराच्या विविध माध्यमांचा वेध घेणे.                         | 6                                  |

| घटक | तपशील                                                                                                                                    | तासिका |
|-----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| १   | लोकप्रिय साहित्याची व्याख्या, संकल्पना, स्वरूप                                                                                           | १५     |
| २   | मराठीतील लोकप्रिय साहित्याची प्रेरणा - भक्तिसंप्रदाय आणि मनोरंजन आणि परंपरा – विविध नियतकालिके, वृत्तपत्रीय लेखन, अनुदिनी आणि संकेतस्थळे | १५     |
| ३.  | लोकप्रिय साहित्य - कथा - व. पु. काळे (काही खरं; काही खोटं)                                                                               | १५     |
| ४.  | लोकप्रिय साहित्य - कादंबरी – सुहास शिरवळकर (दुनियादारी)                                                                                  | १५     |

#### संदर्भग्रंथ -

१. प्रदक्षिणा, खंड १ आणि २, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे
२. मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, खंड ४ ते ८, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
३. मराठी गद्याचा इंग्रजी अवतार, दत्तो वामन पोतदार

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र १                                                     |                                                                                                             |                                                          |
|-------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|
| MRT510                                                                              | मराठी साहित्य संशोधनपद्धती                                                                                  | Number of Credits:4                                      |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                                                             | Cognitive level<br>(Bloom's Level)<br>(Level1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                 | संशोधनाची संकल्पना समजून घेणे. संशोधनाच्या प्रेरणा, विविध पद्धती आणि व्याख्या लक्षात घेणे.                  | 1                                                        |
| CO2                                                                                 | संशोधनविद्येच्या क्षेत्रांतील विविध उपपत्ती, तत्त्वे आणि सिद्धांत सूत्रबद्ध करता येणे.                      | 2                                                        |
| CO3                                                                                 | वाङ्मयीन संशोधनाचे स्वरूप स्पष्ट करणे. आंतरविद्याशाखीय संशोधनाची दिशा विकसित करणे.                          | 3                                                        |
| CO4                                                                                 | संशोधकाची गुणवैशिष्ट्ये, संशोधन प्रक्रियेतील टप्पे आणि संशोधनाची विविध साधने यांचे सोदाहरण विवरण करता येणे. | 4                                                        |
| CO5                                                                                 | संशोधन विषय निवडणे, संशोधन आराखडा तयार करणे.                                                                | 5                                                        |
| CO6                                                                                 | मराठीतील संशोधकांच्या परंपरेचा परिचय होऊन या परंपरेतील संशोधनाचे महत्त्वमापन करता येणे.                     | 6                                                        |

| घटक | तपशील                                                                                                                | तासिका |
|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| १   | संशोधन - व्याख्या, संकल्पना, स्वरूप आणि प्रेरणा                                                                      | १०     |
| २   | वाङ्मयीन संशोधनाचे वेगळेपण, आंतरविद्याशाखीय संशोधन संशोधन विषयाची निवड, संशोधन आराखडा तयार करणे                      | १५     |
| ३.  | संशोधकाची गुणवैशिष्ट्ये, संशोधन प्रक्रियेतील टप्पे, संशोधनाची साधने                                                  | १५     |
| ४.  | संशोधन विषयाच्या अनुषंगाने प्रश्नावली निर्मिती, उत्तरांच्या विदेचे विश्लेषण, साहित्य- संदर्भ मिळवण्याची दिशानिश्चिती | १०     |
| ५   | शोधनिबंधांची लेखनपद्धती, शोधनिबंधांचे सादरीकरण                                                                       | १०     |

#### संदर्भग्रंथ :

१. सौंदर्यमीमांसा, रा. भा. पाटणकर,
२. साने ह. श्री., साहित्य आणि सामाजिक शास्त्रे,
३. संत दु.का., साहित्य आणि संशोधन,
४. संशोधनपद्धती, रमेश वरखेडे
५. मराठी साहित्य संशोधन, सुधाकर शेलार
६. भाषा : साहित्य आणि संशोधन, संपा. वसंत जोशी, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
७. शोधनिबंधाची लेखनपद्धती, स.गं.मालशे, लोकवाङ्मयगृह, मुंबई

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र २                                                     |                                                                                                                          |                                                          |
|-------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|
| MRT551                                                                              | संस्कृती अभ्यास                                                                                                          | Number of Credits: 4                                     |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                                                                          | Cognitive level<br>(Bloom's Level)<br>(Level1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                 | संस्कृती ही संकल्पना समजावून घेणे आणि तिच्या विविध अभ्यासकांच्या व भाषांतील व्याख्या जाणून घेणे.                         | 1                                                        |
| CO2                                                                                 | संस्कृतीचे मानवी समाज, धर्म, भाषा, साहित्य, कला इत्यादींशी असलेले अनुबंध अभ्यासणे.                                       | 2, 3                                                     |
| CO3                                                                                 | जागतिक, राष्ट्रीय (भारत) आणि राज्याच्या (महाराष्ट्र) संदर्भाने सांस्कृतिक अभ्यासाचे विविध पैलू उलगडणे आणि चिकित्सा करणे. | 2, 3                                                     |
| CO4                                                                                 | महाराष्ट्रीय व भारतीय संस्कृतीचे स्वरूप आणि विशेष अभ्यासणे.                                                              | 4                                                        |
| CO5                                                                                 | संस्कृतीचा विविध क्षेत्रांशी आणि सामाजिक घटकांशी येणारा संपर्क आणि त्याचे स्वरूप जाणणे.                                  | 5                                                        |
| CO6                                                                                 | नवव्यवस्था, जागतिकीकरण, आधुनिकता आणि नव-तंत्रज्ञान यांच्या संदर्भाने सांस्कृतिक संक्रमणाचा चिकित्सक अभ्यास               | 6                                                        |

| घटक | तपशील                                                                                                                              | तासिका |
|-----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| १   | संस्कृती : संकल्पना, स्वरूप आणि व्याख्या                                                                                           | १५     |
| २   | संस्कृती आणि धर्म, भाषा, साहित्य व कला अनुबंध                                                                                      | १५     |
| ३.  | सांस्कृतिक अभ्यास: जागतिक, भारत आणि महाराष्ट्र                                                                                     | १५     |
| ४.  | संस्कृती संपर्क: समाज, लोकसंस्कृती, स्थानिक संस्कृती, सांस्कृतिक विविधता, नवव्यवस्था (वर्तमान परिप्रेक्ष्य) आणि सांस्कृतिक संक्रमण | १५     |

**संदर्भग्रंथ -**

१. संस्कृती, इरावती कर्वे, देशमुख आणि कंपनी, पुणे
२. महाराष्ट्र संस्कृती, पु. ग. सहस्त्रबुद्धे, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे
३. गर्जा महाराष्ट्र, सदानंद मोरे, सकाळ प्रकाशन, पुणे
४. भारतीय संस्कृती, साने गुरुजी, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे
५. भारताची राष्ट्रीय संस्कृती. एस. अबीद हुसेन, नॅशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र २                                                                   |                                                                                        |                                                    |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------|
| MRT552                                                                                            | अर्वाचीन मराठी साहित्याची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी                                       | Number of Credits: 4                               |
| <b>Course Outcomes (COs)</b><br><b>On completion of the course, the students will be able to:</b> |                                                                                        | Cognitive level (Bloom's Level) (Level1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                               | अर्वाचीन कालखंड सुरू होताना असणाऱ्या सामाजिक-राजकीय-सांस्कृतिक परिस्थितीचा आढावा घेणे. | 1                                                  |
| CO2                                                                                               | अव्वल इंग्रजी कालखंडातील साहित्यप्रेरणांची चर्चा करणे.                                 | 2, 3                                               |
| CO3                                                                                               | चिपळूणकर युग आणि त्यातून निर्माण झालेला अस्मितेचा कालखंड यांचा संबंध न्याहाळणे.        | 2, 3                                               |
| CO4                                                                                               | धार आणि काठ या साहित्यकृतीच्या आधारे विविध साहित्यकृतींची वैशिष्ट्ये तपासणे.           | 4                                                  |
| CO5                                                                                               | साहित्याचे मानदंड या साहित्यकृतीच्या आधारे विविध साहित्यकृतींची वैशिष्ट्ये तपासणे.     | 5                                                  |
| CO6                                                                                               | अर्वाचीन कालखंडातील वैविध्यपूर्ण साहित्यनिर्मितीचा आलेख                                | 6                                                  |

| घटक | तपशील                                                                 | तासिका |
|-----|-----------------------------------------------------------------------|--------|
| १   | संस्कृती म्हणजे काय?<br>साहित्याची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी ही संकल्पना | १५     |
| २   | अव्वल इंग्रजी कालखंडाच्या प्रेरणा आणि प्रवृत्ती यांचा अभ्यास          | १५     |
| ३.  | धार आणि काठ या संपादनाचा अभ्यास                                       | १५     |
| ४.  | साहित्याचे मानदंड या संपादनाचा अभ्यास                                 | १५     |

**संदर्भग्रंथ :**

१. मराठी ग्रंथनिर्मितीची वाटचाल, शं. गो. तुळपुळे
२. अर्वाचीन मराठी साहित्याची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी, गो. म. कुलकर्णी
३. वाटा वळणे, गो. म. कुलकर्णी
४. प्रदक्षिणा, खंड १ आणि २, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे
५. मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, खंड ४ ते ८, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
६. मराठी गद्याचा इंग्रजी अवतार, दत्तो वामन पोतदार

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र २                                                     |                                                                                                            |                                                          |
|-------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|
| MRT553                                                                              | भाषाविज्ञान – सामाजिक                                                                                      | Number of Credits: 4                                     |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                                                            | Cognitive level<br>(Bloom's Level)<br>(Level1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                 | समाजभाषाविज्ञान या भाषाभ्यास शाखेची ओळख करून देणे आणि विविध व्याख्यांच्या आधारे ही संकल्पना समजावून देणे.  | 1                                                        |
| CO2                                                                                 | दैनंदिन व्यवहारात निर्माण होणाऱ्या भाषाभेदांची कारणमीमांसा करणे.                                           | 2                                                        |
| CO3                                                                                 | भाषाव्यवहारात होणारे शब्दप्रयोग आणि त्यांचा वापर करणाऱ्या व्यक्तीचा सामाजिक स्तर यांची तुलना करणे.         | 3                                                        |
| CO4                                                                                 | भाषाव्यवहारातले सामाजिक स्तर, आर्थिक स्तर, भौगोलिक स्तर आणि त्यांतून येणारी सांकेतिकता यांचा संबंध तपासणे. | 4                                                        |
| CO5                                                                                 | भाषाव्यवहार आणि संस्कृती यांच्यातील सहसंबंधांचे पुनरावलोकन करणे.                                           | 5                                                        |
| CO6                                                                                 | नवीन तंत्रज्ञान आणि नव्या व्यवस्थांमुळे होणारे भाषिक बदल यांचा एकात्मिक आविष्कार अभ्यासणे.                 | 6                                                        |

| घटक | तपशील                                                        | तासिका |
|-----|--------------------------------------------------------------|--------|
| १   | समाजभाषाविज्ञान म्हणजे काय?<br>समाज आणि भाषा यांचे नाते      | १५     |
| २   | दैनंदिन व्यवहार, विविध व्यवसाय आणि भाषाभेद यांची कारणमीमांसा | १५     |
| ३.  | विविध सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक स्तर आणि भाषाभेद              | १५     |
| ४.  | भाषा आणि संस्कृती                                            | १५     |

**संदर्भग्रंथ -**

१. वैखरी, अशोक केळकर, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
२. समाजभाषाविज्ञान, रमेश वरखडे
३. सामाजिक भाषाविज्ञान, जयश्री पाटणकर, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
४. सामाजिक भाषाविज्ञान, प्रभाकर जोशी आणि चारुता गोखले,

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र २                                                     |                                                                                                                             |                                                          |
|-------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|
| MRT554                                                                              | लोकसाहित्य                                                                                                                  | Number of Credits:                                       |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                                                                             | Cognitive level<br>(Bloom's Level)<br>(Level1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                 | लोकसाहित्याची व्याख्या, संकल्पना, स्वरूप समजून घेणे.                                                                        | 1                                                        |
| CO2                                                                                 | लोकसाहित्याचे इतिहास, पुरातत्त्व, मानववंशशास्त्र, भाषाशास्त्र, धर्मशास्त्र, दैवतकथाशास्त्र, यांच्याशी असलेले अनुबंध तपासणे. | 2, 3                                                     |
| CO3                                                                                 | मराठीतील लोकसाहित्याचा आशय, भाषा, रचना, प्रदेश, प्रकार व कलात्मक सौंदर्य यांचे विश्लेषण करणे.                               | 2, 3                                                     |
| CO4                                                                                 | लोकगीते, लोककथा यांचा अभ्यास करणे.                                                                                          | 4                                                        |
| CO5                                                                                 | लोकनाट्य आणि विविध लोकाविष्कार यांचा अभ्यास करणे.                                                                           | 5                                                        |
| CO6                                                                                 | इतर साहित्यापासून लोकसाहित्याचे वेगळेपण सांगता येणे. लोकसाहित्य गुणवैशिष्ट्यांच्या आधारे सूत्रबद्ध करता येणे.               | 6                                                        |

| घटक | तपशील                                                                                               | तासिका |
|-----|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| १   | लोकसाहित्याची व्याख्या, संकल्पना, स्वरूप                                                            | १५     |
| २   | लोकसाहित्य आणि इतिहास, पुरातत्त्व, मानववंशशास्त्र, भाषाशास्त्र, धर्मशास्त्र, दैवतकथाशास्त्र इत्यादी | १५     |
| ३.  | लोकसाहित्याचे प्रकार – लोकगीते, लोककथा, लोकनाट्य                                                    | १५     |
| ४.  | लोकसाहित्याचे अभ्यासक – सरोजिनी बाबर, रा. चिं. ढेरे, प्रभाकर मांडे                                  | १५     |

#### संदर्भग्रंथ :

- लोकसाहित्याचे अंतःप्रवाह, प्रभाकर मांडे,
- अपौरुषेय वाङ्मय, डॉ. कमलाबाई देशपांडे,
- धर्म आणि लोकसाहित्य, दुर्गा भागवत,
- मराठी लोकगीते, सरोजिनी बाबर,
- मराठी लोकसंस्कृतीचे उपासक, रां. चिं. ढेरे,
- लोकसाहित्याचे स्वतंत्र अभ्यासक्षेत्र, ग. ना. मोरजे,
- लोकसाहित्य उद्गम आणि विकास, शरद व्यवहारे,
- लोकसाहित्य शोध आणि समीक्षा, रा. चिं. ढेरे,
- लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती, विद्या व्यवहारे,
- लोकसाहित्याच्या अभ्यासदिशा, तारा भवाळकर,
- लोकसाहित्याचे स्वरूप, प्रभाकर मांडे,
- लोकसाहित्याची रूपरेखा, दुर्गा भागवत,
- मराठीतील स्त्रीधन, सरोजिनी बाबर,
- मराठी लोककथा, सरोजिनी बाबर,
- लोकसंचित, तारा भवाळकर
- नाचू कीर्तनाचे रंगी, यशवंत पाठक,
- लोकसाहित्यातील स्त्रीजीवन, भारतीरेवडकर,
- संतसाहित्य आणि लोकसाहित्य, रा. चिं. ढेरे,
- लोकसंजनाची पारंपरिक माध्यमे, शरद व्यवहारे,
- तमाशा कला आणि जीवन, सुनील चंदनशिवे,

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र २                                                     |                                                                              |                                 |
|-------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------|
| MRT555                                                                              | बालसाहित्य                                                                   | Number of Credits:4             |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                              | (Bloom's Level)<br>1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                 | बालसाहित्याच्या स्वरूपाचा परिचय करून देणे.                                   | 1                               |
| CO2                                                                                 | बालसाहित्याची परंपरा अभ्यासणे.                                               | 2                               |
| CO3                                                                                 | बालसाहित्यातील कवितांचा अभ्यास करणे. – विंदा करंदीकर,                        | 3                               |
| CO4                                                                                 | बालसाहित्यातील कथांचा अभ्यास करणे. – राजीव तांबे, भारत सासणे, माधुरी पुरंदरे | 4                               |
| CO5                                                                                 | बालसाहित्यातील नाट्यलेखनाचा अभ्यास करणे – सई परांजपे, पु.ल. देशपांडे         | 5                               |
| CO6                                                                                 | बालसाहित्याच्या वैशिष्ट्यांचा परामर्श घेणे..                                 | 6                               |

| घटक | तपशील                                                                                                                                             | तासिका |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| १   | बालसाहित्याची व्याख्या, संकल्पना, स्वरूप                                                                                                          | १०     |
| २   | मराठीतील बालसाहित्याची प्रेरणा - बोध आणि मनोरंजन आणि परंपरा – पंचतंत्र, सिंहासन बत्तीशी, वेताळ पंचविशी, इसापनीती, नियतकालिके, चित्रकथा, ॲनिमेशनपट | १०     |
| ३.  | बालसाहित्य - कथा - राजीव तांबे, भारत सासणे, माधुरी पुरंदरे                                                                                        | २०     |
| ४.  | बालसाहित्य – कविता – विंदा करंदीकर, वंदना विटणकर, सरिता पदकी<br>बालसाहित्य – नाटक – सई परांजपे, पु.ल. देशपांडे                                    | २०     |

#### संदर्भग्रंथ -

१. प्रदक्षिणा, खंड १ आणि २, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे
२. मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, खंड ४ ते ८, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
३. बालसाहित्याची रूपरेखा, मालती दांडेकर, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे

| M.A. MARATHI प्रथम वर्ष: सत्र २                                                     |                                                                  |                                                          |
|-------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|
| MRT560                                                                              | आंतरवासिता / व्यावसायिक अनुभवग्रहण (On Job Training, Internship) | Number of Credits: 4                                     |
| Course Outcomes (COs)<br>On completion of the course, the students will be able to: |                                                                  | Cognitive level<br>(Bloom's Level)<br>(Level1/2/3/4/5/6) |
| CO1                                                                                 | क्षेत्रप्रकल्पाची संकल्पना, स्वरूप आणि आवश्यकता समजून            | 1                                                        |
| CO2                                                                                 | व्यक्तिगत आणि सामूहिक प्रकल्प यांच्यातील साम्यभेद समजून          | 2                                                        |
| CO3                                                                                 | मराठीतील कोशांची परंपरा अभ्यासणे.                                | 3                                                        |
| CO4                                                                                 | मराठीतील कोशांचे प्रकार आणि त्यांची वैशिष्ट्ये अभ्यासणे.         | 4                                                        |
| CO5                                                                                 | विकिपीडिया या मुक्त ज्ञानकोशाचे स्वरूप अभ्यासणे.                 | 5                                                        |
| CO6                                                                                 | विकिपीडिया या मुक्त ज्ञानकोशावर नोंदलेखन करून उपयोजन             | 6                                                        |

| घटक | तपशील                                                            | तासिका |
|-----|------------------------------------------------------------------|--------|
| १   | क्षेत्रप्रकल्पाची संकल्पना आणि स्वरूप                            | १५     |
| २   | व्यक्तिगत आणि सामूहिक प्रकल्प यांच्यातील साम्यभेद आणि वर्तनविवेक | १५     |
| ३.  | मराठीतील कोशांची परंपरा, प्रकार आणि त्यांची वैशिष्ट्ये           | १५     |
| ४.  | विकिपीडिया या मुक्त ज्ञानकोशावर किमान ४ नोंदींचे लेखन            | १५     |

#### संदर्भग्रंथ –

१. मराठी कोशरचना, सदाशिव देव, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
२. मराठी ग्रंथसूची, संपा. शं.गो.दाते
३. महाराष्ट्र शब्दकोश, संपा. दाते आणि कर्वे
४. मराठी नियतकालिक सूची, संपा. शं.गो.दाते, मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय, मुंबई
५. मराठी कोश आणि सूची, राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई

#### ऑनलाईन साधने –

१. मराठी विश्वकोश,
२. मराठी विकिपिडिया